गणित का गणित

नीलिमा*

टन-टन छुट्टी का घंटा बाजे
बंटी-बीना घर को भागे।

गणित से छुट्टी जो मिली थी
बड़ी मुश्किल से जान छूटी थी।

रटते-रटते सोलह का पहाड़ा
दम उनका निकला था सारा।

अंकों के गणित में घूम गए थे
रटते-रटते थक वो गए थे।

लगा दिया समय ढेर सारा
इसके सिवा न था कोई चारा।

अंकों का पूरा है घाल-मेल
गणित में कैसे न हों फेल?

बंटी-बीना अब थे उदास
पहुँचे दादा जी के पास।

रोनी सूरत बिखरे बाल
गणित ने कर दिया बेहाल।

दादा जी ने उपाय सुझाया
गणित का गणित समझाया।

बंटी-बीना मुस्कुरा पड़े थे
खेल-खेल में सीख जो गए थे।

पहाड़े उनको याद हो गए
गुणा-भाग आसान हो गए।

अंकों का हेर-फेर बड़ा ही न्यारा
गणित बना अब उनका प्यारा।

बच्चों ने मिलकर बनायी रेल
गणित से हो गया उनका मेल।

बच्चों ने मुश्किल सारी समझ ली
गणित से दोस्ती जो कर ली।

जब से गणित की गाँठ खुली थी
उलझन सारी सुलझ गई थी।

* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली-110016

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा ऐना प्रिन्टो ग्राफिक्स प्रा. लि. 347-के, उद्योग केंद्र, एक्स.-II, ग्रेटर नोएडा 201 306 द्वारा मुद्रित।